RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

CLASS 12th | GEOGRAPHY

जनसंख्या वितरण, घनत्व, वृद्धि और संगठन

अध्याय-1 | भाग-9

एकदम BASIC से!



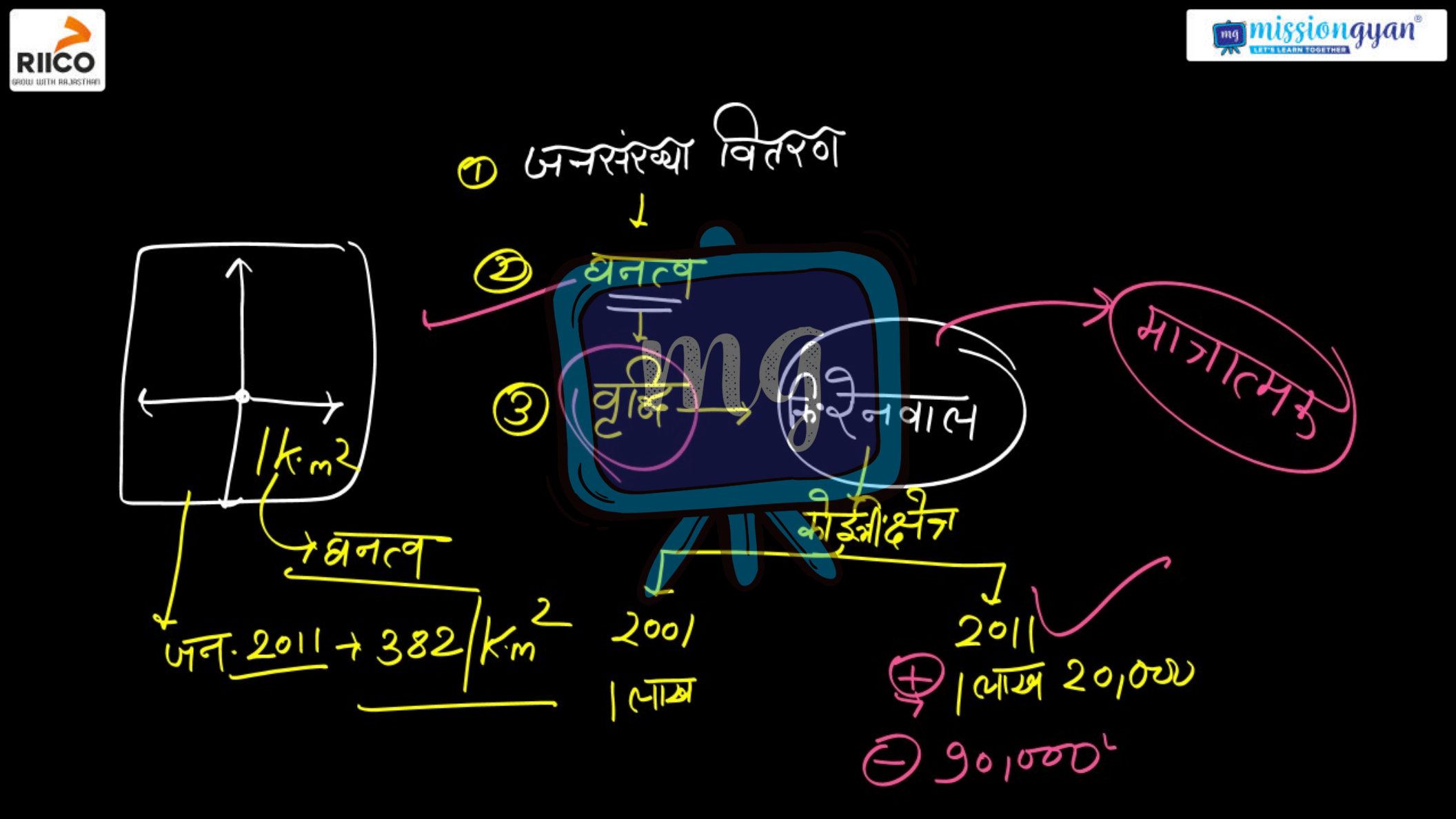
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

1 श्रमजीवी जनसंख्या का संघटन




① जनसंख्या वितरण
② घनत्व
③ वृद्धि
क्षेत्रीय विभिन्नता
सांख्यात्मक
कोई भी क्षेत्र
1 km²
घनत्व
जन. 2011 → 382/km²
2001
1 लाख
2011
+ 1 लाख 20,000
- 90,000

जनसंख्या संघटन

121 करोड़

- श्रमजीवी
- साक्षर
- नगरीय, ग्रामीण
- कोई धर्म
- भाषाएं

इन्हें पहलुओं का व्यवस्थित

श्रमजीवी जनसंख्या का संघटन



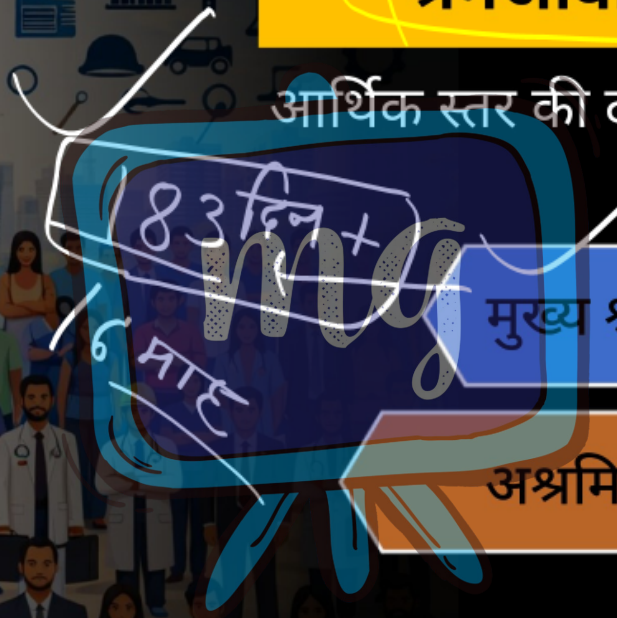
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

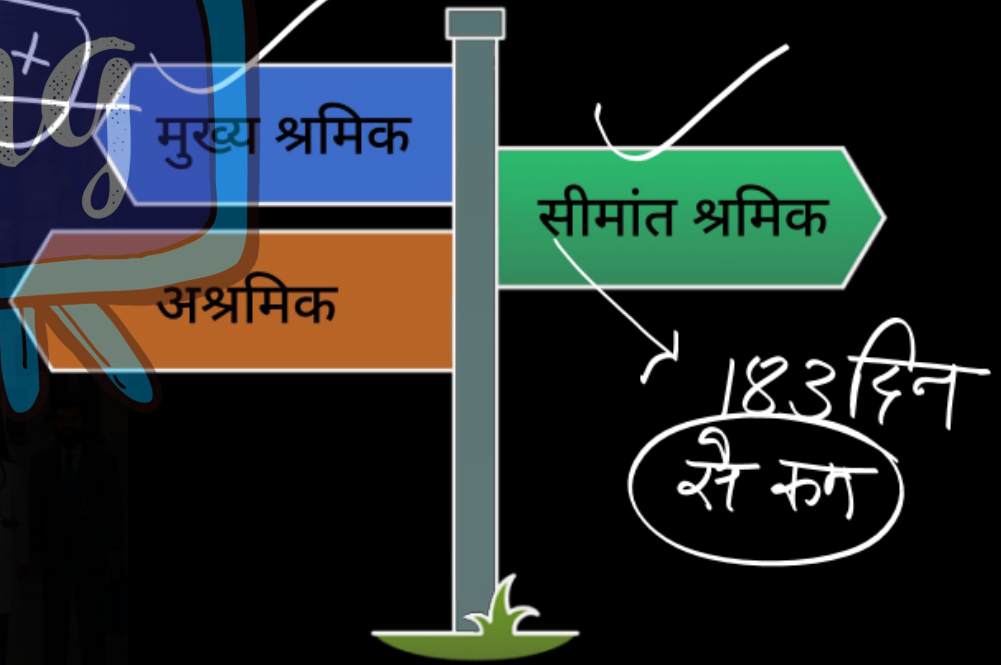
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

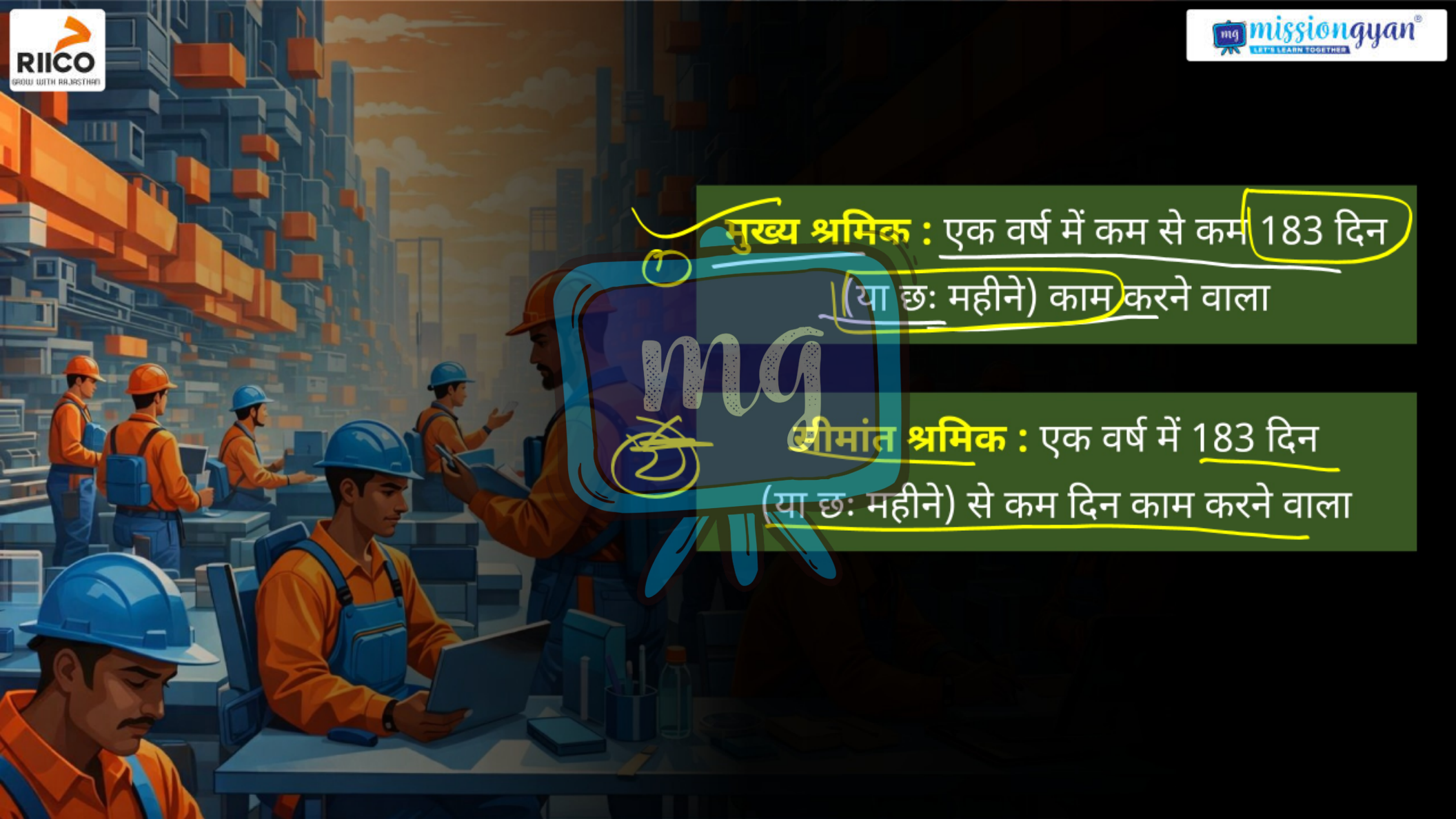


श्रमजीवी जनसंख्या का संघटन

आर्थिक स्तर की दृष्टि से भारत की जनसंख्या







मुख्य श्रमिक : एक वर्ष में कम से कम 183 दिन (या छः महीने) काम करने वाला

सीमांत श्रमिक : एक वर्ष में 183 दिन (या छः महीने) से कम दिन काम करने वाला

जनगणना - 2011

- श्रमिकों का अनुपात : 39.8 प्रतिशत
- अश्रमिकों का अनुपात : 60 प्रतिशत

39.8 %

183+

(1) मुख्य श्रमिक

(2) सीमान्त श्रमिक

183 दिन कम



39.8% श्रमिक

60% अश्रमिक

आश्रित

नोट

भारत में एक बड़ा अनुपात आश्रित जनसंख्या का है, जो आगे, बेरोज़गार और अल्प रोज़गार प्राप्त लोगों की बड़ी संख्या के होने की संभावना की ओर इशारा करता है।



श्रम की प्रतिभागिता दर

श्रमजीवी जनसंख्या का अनुपात :

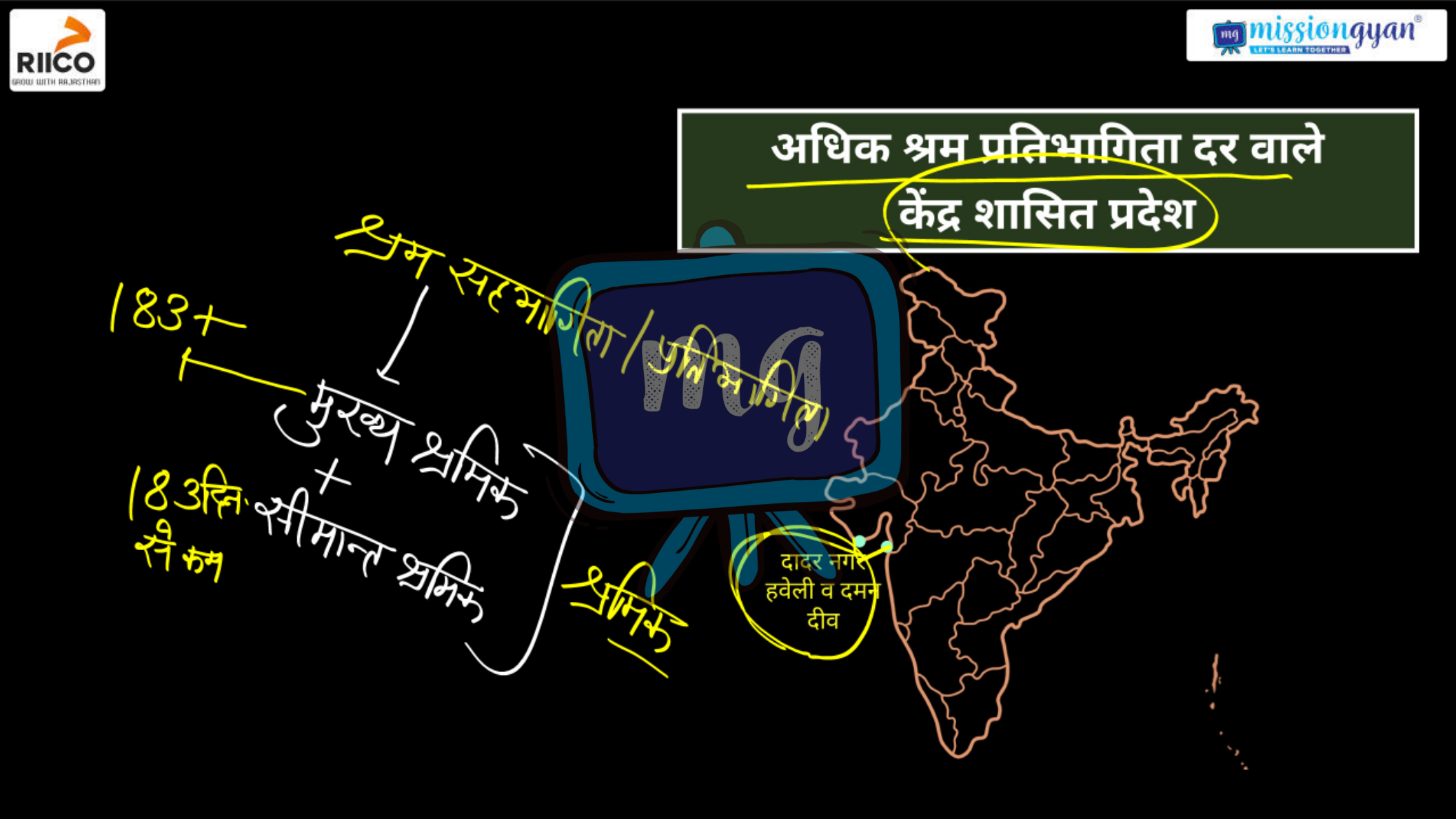
- लक्षद्वीप ~ 29.1%
- हिमाचल प्रदेश ~ 51.9%



अधिक श्रम प्रतिभागिता दर वाले राज्य



अधिक श्रम प्रतिभागिता दर वाले केंद्र शासित प्रदेश





नोट

- भारत जैसे देश के संदर्भ में ऐसा समझा जाता है कि आर्थिक विकास के निम्न स्तरों वाले क्षेत्रों में श्रम की सहभागिता दर ऊँची है
- निर्वाह अथवा लगभग निर्वाह की आर्थिक क्रियाओं के निष्पादन के लिए अनेक कामगारों की ज़रूरत पड़ती है।

भारत की जनसंख्या का व्यावसायिक संघटन

द्वितीयक और तृतीयक सेक्टरों की तुलना में प्राथमिक सेक्टर के श्रमिकों का एक बड़ा अनुपात



व्यावसायिक संवर्ग



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रमुख श्रमिक + सीमान्त श्रमिक = श्रमजीवी

निवर्हि

द्वितीयक क्षेत्र

व्यावसायिक संवर्ग

सन् 2011 की जनगणना ने भारत की श्रमजीवी जनसंख्या को चार प्रमुख संवर्गों में बाँटा है :

1. कृषक
2. कृषि मज़दूर → प्राथमिक क्षेत्र
3. घरेलू औद्योगिक श्रमिक
4. अन्य श्रमिक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

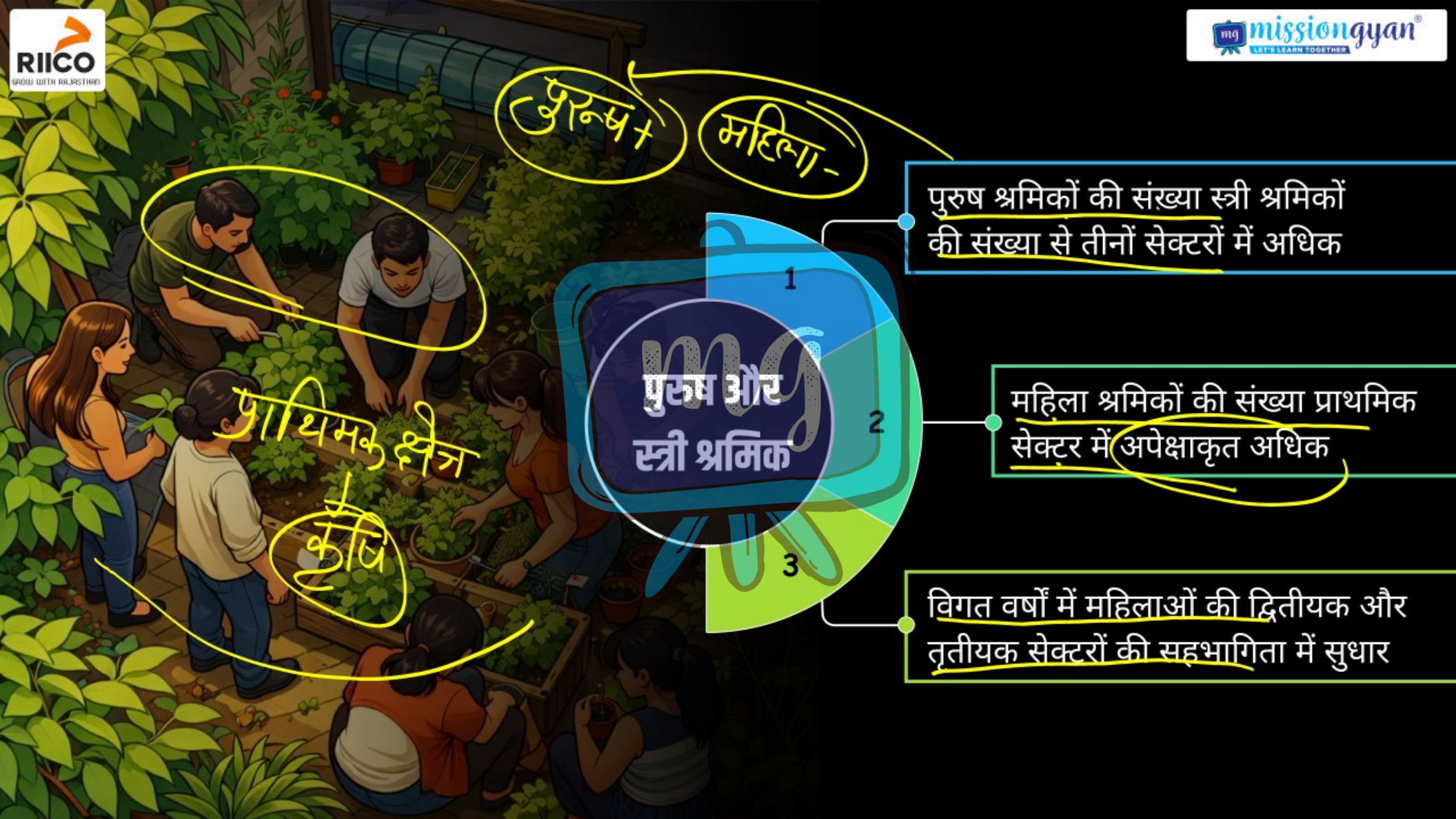
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



श्रमजीवी जनसंख्या

- 54.6 प्रतिशत कृषक और कृषि मजदूर
- 3.8 प्रतिशत श्रमिक घरेलू उद्योगों मे
- 41.6 प्रतिशत अन्य श्रमिक :-

गैर-घरेलू उद्योगों, व्यापार, वाणिज्य, विनिर्माण और मरम्मत तथा अन्य सेवाओं में कार्यरत


पुरुष +
महिला -
प्राथमिक क्षेत्र
कृषि
पुरुष और स्त्री श्रमिक
1
2
3
पुरुष श्रमिकों की संख्या स्त्री श्रमिकों की संख्या से तीनों सेक्टरों में अधिक
महिला श्रमिकों की संख्या प्राथमिक सेक्टर में अपेक्षाकृत अधिक
विगत वर्षों में महिलाओं की द्वितीयक और तृतीयक सेक्टरों की सहभागिता में सुधार



भारत में श्रम-शक्ति का सेक्टर-वार संघटन, 2011

संवर्ग	जनसंख्या			
	व्यक्ति	कुल श्रमिकों का %	पुरुष	स्त्री
प्राथमिक	26,30,22,473	54.6	16,54,47,075	9,75,75,398
द्वितीयक	1,83,36,307	3.8	97,75,635	85,60,672
तृतीयक	20,03,84,531	41.6	15,66,43,220	4,37,41,311



अर्थव्यवस्था में सेक्टरीय स्थानांतरण

- एक सेक्टर के श्रमिकों का अन्य सेक्टर में संलग्न होना
- भारत में कृषि सेक्टर के श्रमिकों का अनुपात
  - 2001 में 58.2%
  - 2011 में 54.6%
- द्वितीयक और तृतीयक सेक्टर में सहभागिता दर में वृद्धि
- श्रमिकों की खेत-आधारित रोजगारों पर निर्भरता से गैर-खेत आधारित रोज़गारों पर निर्भरता



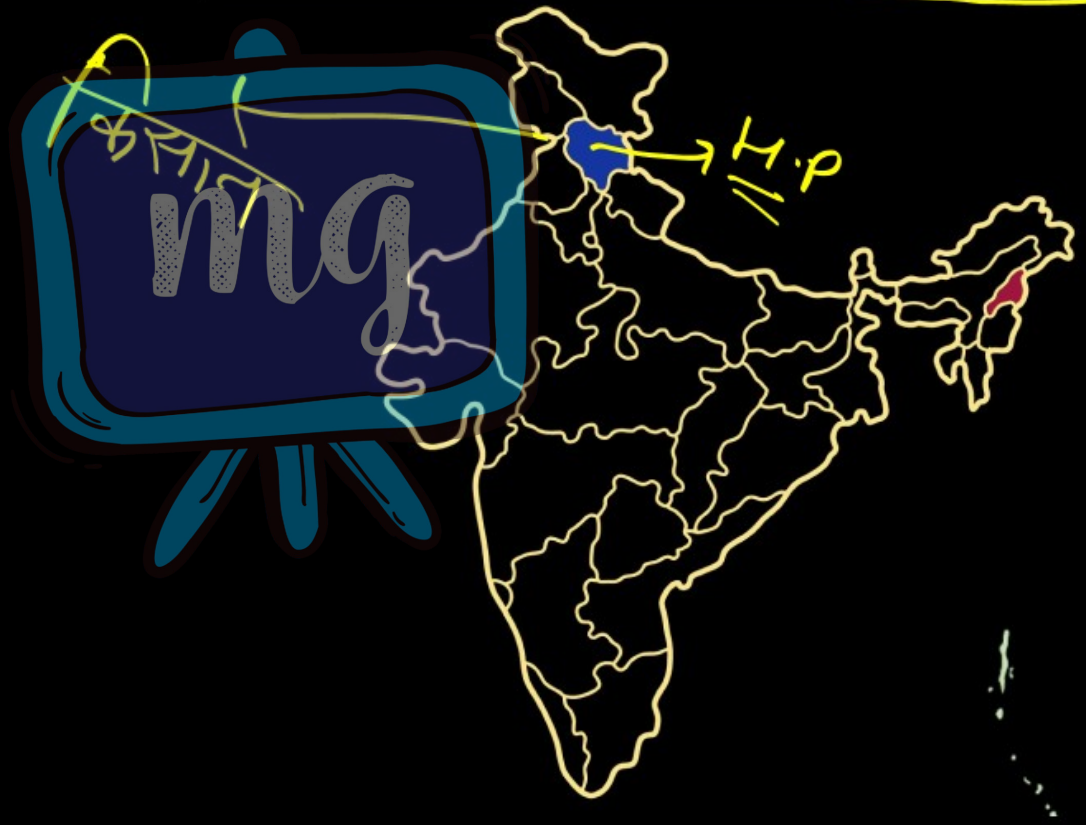
भारत में श्रम-शक्ति का सेक्टर-वार संघटन, 2011

- विभिन्न सेक्टरों में श्रम सहभागिता दर की स्थानिक भिन्नता
- कृषकों की संख्या बहुत अधिक
- कृषि मज़दूरों की संख्या अधिक
- सेवा क्षेत्र के श्रमिक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

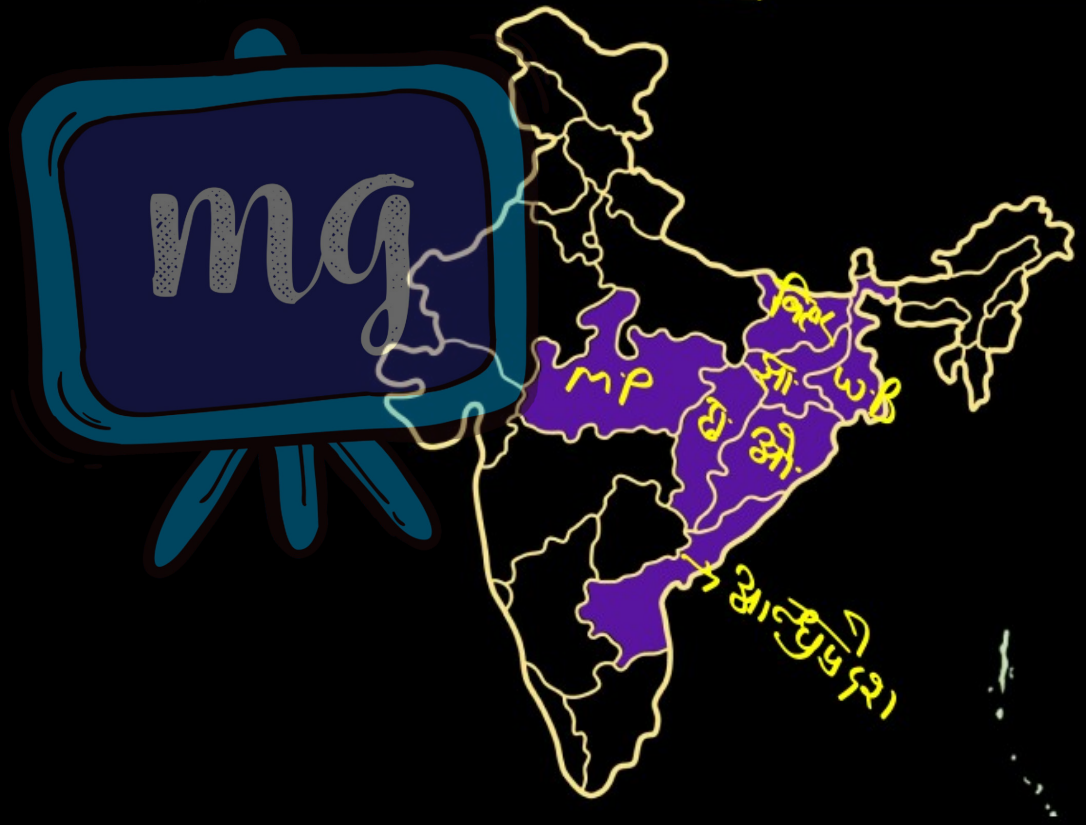
कृषकों की संख्या बहुत अधिक



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि मज़दूरों की संख्या अधिक



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सेवा क्षेत्र के श्रमिक

तृतीयक

दिल्ली, चंडीगढ़ और पुडुच्चेरी जैसे अत्यधिक नगरीकृत क्षेत्रों में





बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

सामाजिक अभियान के द्वारा जेंडर के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा

बेटी बचाओ

बेटी पढ़ाओ

समाज का प्राकृतिक और जैविक विभाजन

पुरुष | महिला | ट्रांसजेंडर



सामाजिक भूमिकाएँ और संस्थाएँ

पुरुष महिला

भूमिका

सामाजिक भूमिकाओं का निर्धारण समाज द्वारा

सामाजिक संस्थाओं द्वारा भूमिकाओं का सुदृढीकरण




RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
जैविक विभिन्नताएँ
सामाजिक भेदभाव, अलगाव तथा बहिष्कार का
आधार
mg